

बुधवार, 16 जुलाई 2025

वर्ष 35, अंक 170, पृष्ठ 16

2 राज्य, 6 संस्करण

मूल्य 6 रुपये

# अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार



www.amritvichar.com

बेदोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर

12

आतंकवाद को बर्दाश्त न करने पर अंडिंग रहेगा भारत



...कुछ नया जन्म  
लेने वाला है

नई सोय हमेशा नई राहों पर ले जाती है।  
इसी तरह नई शुरुआत नए जीवन से रु-ब-रु कराती है।  
यही निरंतरता की स्थिति होती है।

# शुभांशु की वापसी पर झूमे लोग

कार्यालय संचालनकारी, लखनऊ

**अमृत विचार:** शुभांशु शुक्ला के सेपेएसक्स क्रू इंगन अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे जैसे ही प्रशान्त महासागर के कैलीफॉर्निया तट पर सफल लैंडिंग की, देशवासी खुशी व गर्व से झूम उठे। सिर्टी मार्टिसी स्कूल (सीएसएस), कानूनुर रोड ऑडिटोरियम में शुभांशु के माता-पिता और परिजनों के साथ सैकड़ों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण को लाइव देखा। जैसे ही कैप्सूल ने प्रशान्त महासागर की सतह को छुआ, ऑडिटोरियम का माहौल अत्यन्त भाउक हो उठा। पूरा ऑडिटोरियम भारत माता की जय के नारे व तालियों की गड़गड़ाहट से गंज उठा।

शुभांशु 25 जून को फालकन-9 रॉकेट से अंतरिक्ष की उड़ान पर रवाना हुए थे। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गए थे। उन्होंने अंतरिक्ष में 18 दिन बिताए। 310 से अधिक कक्षाएं पूरी कीं और लगभग 1.3 करोड़ किमी की दूरी तय की। इस दैरान उन्होंने इसरो द्वारा सौंपे गए सातों गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों को सफलतापूर्वक पूरा किया। मांसपेशी पुनर्जनन, टार्डिंग्रेट परिवर्षण, बीज अनुकूल, शैवाल संवर्धन, फसल सहनशीलता, विकिरण प्रवाह एवं मानव शरीर विज्ञान संबंधी अध्ययन शामिल थे। ये प्रयोग भारत के आगामी गगनयान कार्यक्रम हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शुभांशु के अन्तरिक्ष यान के पानी में उत्तरन के साथ ही सीएसएस प्रवंधन एवं शुभांशु के परिवार ने त्रि-स्तरीय केक काटा। इस केक के तीन स्तर लाच, आईएसएस पर प्रवास और धरती पर वापसी के प्रतीक स्वरूप हैं। इस अवसर पर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर शुभांशु के पिता शम्भू दयाल शुक्ला ने भावुक कहा कि यह उपलब्धि भारतवासियों के सामूहिक काटने के बावजूद पृथीवी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शम्भू दयाल शुक्ला ने हमारे छात्रों की कल्पनाशक्ति को पंख दिए हैं। वह सीएसएस के

- सीएसएस, लखनऊ ऑडिटोरियम में संगीत प्रसारण देख रहे लोगों ने एकदूसरे को दी बधाई
- शुभांशु के पिता ने कहा- बेटे की अंतरिक्ष यात्रा भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम

आदर्श वाक्य 'जय जगत' का जीवंत उदाहरण है और सिद्ध करते हैं कि अंतरिक्ष कोई कल्पना नहीं, बल्कि हमारा भविष्य है। सीएसएस अलीगंज कैम्पस, जहां शुभांशु ने शिक्षा प्राप्त की थी, वहां के छात्र भी अत्यधिक प्रेरित दिखते हैं। कक्षा 9 की छात्रा अनन्या मिश्रा ने कहा कि अब मैं भी अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती हूं और वो कर सकते हैं, तो मैं भी कर सकती हूं। कक्षा 11 के आदिवायर्वा ने कहा, 'पहले यह सपना दूर लगता था। आज यह वास्तविक है।'

सीएसएस की संस्थापक-निदेशिका डा. भारती गांधी ने समापन में कहा, 'शुभांशु हमारे मार्गदर्शक सितार हैं। साकार ग्रन्थालय हैं कि गहरे मूल्यों और साहसी सपनों के साथ सितारों तक पहुंचा जा सकता है।'



## आईएसएस से आखिरी कॉल कर रहा हूं मां - शुभांशु

लखनऊ। यह मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से आखिरी कॉल है... अब लौट रहा हूं, जल्द मिलूंगा। एस्ट्रोनॉट युप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने जैसे ही ये शब्द कहे, लखनऊ स्थित उनके घर में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया और परिवार के लोगों की आंखें खुशी के आंसूओं से छलक उठीं। 18 दिनों की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के अंतिम चरण में यह कॉल शुभांशु के भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का तहत शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथीवी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शम्भू दयाल शुक्ला ने बातचीत की अपेक्षा करते हुए देख रहा था, उसे सोचकर दिल बैठा जा रहा था।



शुभांशु शुक्ला की वापसी के बाद केक काटकर जश्न मनाते माता-पिता और अन्य परिजन।

### पिता ने किया सुंदरकांड पाठ

अंतरिक्ष से लौटते समय देशभर की नजरें जिस वीर बेटे पर टिकी थीं। उसके परिवार ने रात भर ईश्वर से उसकी सलामती की प्रार्थना की। लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला के परिवार के लिए बीती रात बेहद नानापूर्णी और भावनात्मक रही। शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथीवी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शम्भू दयाल शुक्ला ने बातचीत को पंख दिए हैं। वह सीएसएस के

### पूरी रात जागते रहे

शुभांशु के पिता ने बताया, हमारे लिए बीती रात बहुत भीषण रही। नीद नो जैसे आँखों से कासों दूर थी। बस भगवान से यही प्रार्थना कर रहे थे कि हमारा बेटा सुरक्षित जपीन पर उतर जाए। वो जिस तरीके से एक बंद कैप्सूल में आ रहा था, उसे सोचकर दिल बैठा जा रहा था।

### शुभांशु का मानो दूसरा जग्न हो

शुभांशु की वापसी को परिवार पुनर्जनन के तीर पर देख रहा है। बहन शुभि कहती है, जैसे वो पूर्णी और ही दुनिया में गए और अब वापस लौट रहे हैं। नए अनुभवों और यादों के साथ। जैसे वो फिर से जन्म लेकर आ रहे हैं। मां आशा ने बताया कि मिशन के अंतिम चरण में उन्होंने घर पर 18 दिन तक विशेष पूजा करवाई।

### मां रो पड़ी, पिता ने लहराया तिरंगा

शुभांशु शुक्ला के बहन शुभि पिंडा ने कहा कि, अब तक की हर कॉल में हम हसते थे। बात करते थे, सवाल पूछते थे। लेकिन, इस बार जैसे सभी ने युप रहने का मन बना लिया था। मां आशा शुक्ला की आंखों से लगातार आँख बहते रहे। उन्होंने कहा, मैं कुछ बोल नहीं पाई। बस उसकी आवाज सुनी और रोती रही। वो जानता था कि मैं रो रही हूं, लेकिन किरण भी शांत रहा। हमें डांडा स देता रहा। कहना रहा कि सब ठीक होगा। परिवार ने माना कि यह कॉल भले ही भावुक थी, लेकिन उसी ने उन्हें हम्मत भी दी। मां आशा शुक्ला की हतही है, वो खराल रंग रहा था, उसकी आंखों में चमक थी। उस कॉल ने हमारे बहुत सारे डर मिटा दिए।

### शुभांशु के 17 अगस्त तक भारत आने की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला के मिशन बाद की कई प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद 17 अगस्त तक भारत पहुंचने की उमीद है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पूछ मारक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाना है... उनका पुनर्वास डीवीडीएफ सर्विस और इसरो की टीम के साथ कई चर्चाएं। हम 17 अगस्त तक उनके दिल्ली पहुंचने की उमीद कर सकते हैं। इस मिशन को 'अभूतर्व' बताते हुए सिंह ने कहा कि केंद्रीय प्रयोगशाला में अपेक्षित वार्षिक दौरान शुक्ला द्वारा किया जाएगा। प्रयोग भारत अस्तित्व और सुरक्षा गुरुत्वाकर्षण में जीवन से निकटता से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, 'ये प्रयोग न केवल भारतीयों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए उपयोगी होंगे।'

### शुभांशु के राजनीतिक दृष्टिकोण

लखनऊ। राजा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष में रिकॉर्ड बनाकर धरती पर वापसी पर खुशी और गर्व व्यक्त किया और लखनऊ में शुभांशु के पिता जैसे घर पर बात कर करवा कि पूरे देश को उनके पुत्र पर गर्व है। शुभांशु 18 दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथीवी पर लौटे हैं।

राजनाथ सिंह ने एकस पर एक पोर्ट

में लिखा कि गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एविसओ-4 मिशन

से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

अंतर्राष्ट्रीय स्टेशन तक उनकी यात्रा और वापसी पर हार्दिक बधाई है।

अंतरिक्ष यात्री नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष यात्रा को लैंडिंग देखता है।

अंतरिक्ष यात्री नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष यात्रा को लैंडिंग देखता है।

एक गोरवपूर्ण कदम है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों में उन्हें अपार सफलता की कामना करता हूं।

राजनाथ सिंह ने एकस पर एक पोर्ट

में लिखा कि गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एविसओ-4 मिशन

से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

अंतर्राष्ट्रीय स्टेशन की बातें यात्रा और वापसी पर हार्दिक बधाई है।

अंतरिक्ष यात्री नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष यात्रा को लैंडिंग देखता है।

अंतरिक्ष यात्री नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष यात्रा को लैंडिंग देखता है।

एक गोरवपूर्ण कदम है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों में उन्हें अपार सफलता की कामना करता हूं।

राजनाथ सिंह ने एकस पर एक पोर्ट

में लिखा कि गुप्त कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एविसओ-4 मिशन

बुधवार, 16 जुलाई 2025

वर्ष 35, अंक 170, पृष्ठ 16

2 राज्य, 6 संस्करण

मूल्य 6 रुपये



# अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार



बेदोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर

12

आतंकवाद को बर्दाशत न करने पर अंडिग दहेगा भारत

14

## शुभ आगमन

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के लिए, इस मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान की वापसी को साकार किया है, क्योंकि इन दोनों के अंतरिक्ष यात्रियों ने 40 वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा की है। क्षेत्रीय प्रयोगशाला में शुक्रांशु शुक्ला पृथ्वी पर लैट आए। यह एक ऐसी उत्तमता है, जो भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान को साकार करने का वादा करती है। लखनऊ में जन्मे मुख्य उड़ान के साथ यात्रा की है। क्षेत्रीय प्रयोगशाला में शुक्रांशु शुक्ला की महात्माओं को साकार करने का वादा करती है। लखनऊ में जन्मे हांगरी के द्वितीय कापा पुर्सहित एक्सिसओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री प्रशांत समयानुसार रात 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे) कैलिफोर्निया के सैन डिग्यूरे के निकट प्रशांत महासागर में उतरे। पूरे भारत में खुशी की लहर दौड़ गई।

भारतीय युवा सेना में ग्रुप कैप्टन कम करने और पूर्णी के वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए क्रीड़ियांग-4 पूरी की तथा प्रशांत महासागर में उतरने से पहले तीव्र गर्मी का समान किया। कुछ ही मिनटों बाद अंतरिक्ष यात्रा को वह ऐसे पहले भारतीय भी बन गए हैं, स्पेसएक्स के रिकवरी शिप शैनन के जिन्होंने पूर्णी की कक्ष में सबसे लंबे

समय (20 दिन) तक रहकर अंतरिक्ष की यात्रा की। भारत, हांगरी और पूर्णी के लिए, इस मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान की वापसी को साकार किया है, क्योंकि इन दोनों के अंतरिक्ष यात्रियों ने 40 वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा की है। क्षेत्रीय प्रयोगशाला में शुक्रांशु शुक्ला की महात्माओं को साकार करने का वादा करती है। लखनऊ में जन्मे हांगरी के द्वितीय कापा पुर्सहित एक्सिसओम-4 मिशन दल ने अपारे 18 दिन 60 प्रयोगों और 20 संपर्क स्रोतों में बिताए। ड्रैगन अंतरिक्ष यात्रा ने 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करते हुए एक्सिसओम-4 चारों दल के सदस्यों को लेकर धीरे-धीरे गति कम करने और पूर्णी के वायुमंडल में युक्त आंतरिक्ष यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले राकेत यात्रियों की तथा प्रशांत महासागर में उतरने शर्मना ने 1984 में सोवियत रूस मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। कुछ ही मिनटों बाद अंतरिक्ष यात्रा को वह ऐसे पहले भारतीय भी बन गए हैं, स्पेसएक्स के रिकवरी शिप शैनन के जिन्होंने पूर्णी की कक्ष में सबसे लंबे

### ड्रैगन अंतरिक्ष यात्रा से मुक्तुक्षय हुए बाहर निकले



18 दिन आईएसएस पर रहने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे शुभांशु शुक्ला

तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद धरती पर रखा कदम

आईएसएस पर तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद पृथ्वी पर गुच्छाकरण के साथ तालमेल बिटाने के लिए एरोपे के सहारे चलाने में शुक्रांशु की ग्राउंड स्टाफ ने भर्त की। हीलीकॉर्ट के जरिए तपर ले जाए जाने से फले एक्सिसओम-4 के चालक दल की जाहाज पर कई कई विकल्पित यात्रियों ने जांच की गयी। यात्रों अंतरिक्ष यात्रियों के सात दिन पुनर्वास कार्यक्रम में रहने उमीद है।



बेटे की वापसी पर भावुक हो गए शुभांशु के माता-पिता।

माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलके लखनऊ में शुक्ला के माता-पिता ने अपने बेटे के पूर्णी पर लौटने पर राहत की सांस ली। शुक्ला के पिता शुभ दयाल शुक्ला और मां आशा देवी की आंखों से खुशी के असू निकल आया। उनकी बहन शुभि मिशन ने भी नम आंखों और हाथ जोड़कर अपना नाम आप तथा हम बहल खुश हैं, व्याकिं इस मिशन का देश के गणनायन कार्यक्रम के लिए अपना महत्व है।

## स्किल्ड युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत: योगी विश्व युवा कौशल दिवस पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में कौशल मेले का किया उद्घाटन

राज्य ब्लूरो, लखनऊ



प्रदेश में खुल रहे निवेश और रोजगार के नए अवसर

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी जिक्र किया। कहा कि 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रदान वर्षात पर उत्तर खुले हैं। यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सुनित कर रहे हैं। उन्होंने उद्योगों और शैक्षिक संस्थानों के बीच तालमेल को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे उद्योगों की मांग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं। 'सीएम युवा' योगी का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 50 हजार से अधिक युवा लाभान्वित हो चुके हैं।

### डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार

योगी ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और मुख्यमंत्री प्रियकर्मी आंतरिक्ष समानों के लिए स्पार्टाकेन और टैबलेट उत्पादन करने के लक्ष्य समेत टाया टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 आईडीआई को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ी और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने की साथ जोड़ने का जिक्र किया।

### 15 युवाओं को दिया यूथ आईकॉन सम्मान

सीएम ने 15 युवाओं को यूथ आईकॉन सम्मान और 11 अंश्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान किया। इसके अलावा, प्रदेश के लिए पांच स्किल रथ की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों के इंडस्ट्री एंबेसर के उल्लंघन से भी सम्मानित किया।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च नामिक समानों में शामिल पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और अंतरिक्ष यात्री के रूप में सामान ने अपने सम्पर्क, सासार और अंग्रेजी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। मोदी ने एक्स प्रएक्स पर एक पोर्टर में कहा, यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन - गणनायन की दिशा में एक और मील का पथर है।

पद्म पुरस्कारों में पद्म विष्णुपूर्ण, पद्म भूषण और श्री माधवी ने अपने बेटे के लिए नामांकन के लिए एक्स प्रएक्स के प्राप्ति के अंतर्गत युवा लाभान्वित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के अनुमोदन के लिए एक्स प्रएक्स रुपये के अधिकारी अधिकारी प्रकाश को आखिरकार कार्जशीट थमा की जाती है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन की जाती है।

## निलंबित आईएस अभिषेक को रिश्वत कांड में चार्जशीट

राज्य ब्लूरो, लखनऊ

• मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद 400 करोड़ रुपये के ब्रॉकार के आरोपी में चिरे इन्वेस्टर युवी के पूर्व सीईओ पर चार्जशीट

के पूर्व वीसी अभिषेक प्रकाश को चार्जशीट कांड में निलंबित किया गया था। अपरोप है कि उन्होंने उद्योग लगाने के बदले व्यापारी से पांच प्रतिशत कमीशन की मांग की थी।

दरअसल, जो चार्जशीट अभिषेक प्रकाश को थमाई गई है, उसमें मूल्यता के चार्जशीट के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, एक वर्ष वाली के लिए एक्स प्राइवेट युवी के पूर्व सीईओ को चार्जशीट में पांच प्रतिशत कमीशन की मांग है। इसके अलावा, जो चार्जशीट के अंतर्गत युवा लाभान्वित है, उसमें भी चार्जशीट के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, जो चार्जशीट के अंतर्गत युवा लाभान्वित है, उसमें भी चार्जशीट के अंतर्गत युवा लाभान्वित है।

चार्जशीट में निलंबित आईएस अधिकारी के खिलाफ इन्वेस्टर युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, एक वर्ष वाली के लिए एक्स प्राइवेट युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, एक वर्ष वाली के लिए एक्स प्राइवेट युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, एक वर्ष वाली के लिए एक्स प्राइवेट युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है।

चार्जशीट में निलंबित आईएस अधिकारी के खिलाफ इन्वेस्टर युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, एक वर्ष वाली के लिए एक्स प्राइवेट युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है। इसके अलावा, एक वर्ष वाली के लिए एक्स प्राइवेट युवी के अंतर्गत युवा लाभान्वित है।

बाहरी कक्षांशी में पढ़ती है और उसे इन सभी चार्जशीटों क













विद्यां ददिति विनयं विनायद याति पापत्राम् ।

पत्रावात धनमान्जोति व्यनात धर्मं ततः सुखम् ॥

ज्ञानविनिष्ठा प्रदान करता है, विनिष्ठा से योग्यता आती है और योग्यता से धनप्राप होता है, जिससे व्यवित धर्म के कार्य करता है और सुखी रहता है।

## संपादकीय

## नवाचार का केंद्र



विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

## अब नौकरी ही नहीं बिजनेस भी करेगा बिहार

दुनिया आज जब आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, भारत मजबूत और स्थिर नेतृत्व के साथ वैश्विक मंच पर नई ऊँचाईयों को छु रहा है। यह आत्रा आसान नहीं थी, परन्तु 140 करोड़ भारतीयों की महसूनत, आकांक्षा और आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है। भारत एक दशक पहले कई आर्थिक चुनौतियों और नीतियों जिल्लाओं से ज़बा रहा था। केवल एक दशक में भारत ने बिट्टन को पछाड़कर 2023 में पांचवां स्थान प्राप्त किया और 2025 में जापान को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ गया। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने भी इस उपलब्धि की पुष्टि की। 2025 में आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.19 द्विलियन डालर तक पहुंच गया है और भारत ने जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ दिया है। इस प्रगति की नींव में कई संरचनात्मक सुधार रहे थे एक इन इंडिया ने निवेशकों का विश्वास लौटाया और इंज ऑफ डूड़ेंग बिजनेस में भारत की रोकिंग 142 से घटकर 63 पर पहुंची। 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया सुधार ने भारत को डिजिटल नवाचार का केंद्र बना दिया। जनधन, आधार और डीबीटी जैसे सिस्टमोंने करोड़ों लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ा और ब्रॉच्टाचार पर रोक लगाइ। 2024-25 में भारत का उत्पाद 824.9, 4 अरब डालर तक पहुंचा-जो आईटी, फार्मास, रल्न-आधूनिक, कृषि और इंजीनियरिंग क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है।

भारत अब 'दुनिया की फार्मसी' और एक ग्लोबल टेक पावर हाउस के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक बैंक खाते, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई। यह दिखाता है कि भारत का आर्थिक विकास समावेशीता पर आधारित है। आज भारत को पूरी दुनिया स्प्रिट्रता, नवाचार और अवसरों के केंद्र के रूप में देख रही है। वैश्विक विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर यह रफतार बरकरार रही तो भारत 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में सबसे बड़ी अंतर्व्यवस्था बन सकता है। भारत की यह उपलब्धि सिंक एक आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों, आकांक्षाओं और आत्मबल की जीत है।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

सन पेट्रोकेमिकल्स 36,700 करोड़ रुपये ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे पंप हाईड्रो और सौर संयंत्रों में निवेश करेगी। अडानी समूह, जो राज्य में सबसे बड़ा निवेशक है, न लगभग 28,000 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। यह निवेश एक अत्याधिक रसायन और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले उत्पादन क्षमता बढ़ाने, खाद्य प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक्स व्यवसायों के विस्तार में किया जाएगा।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़े-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारीय ऊर्जा, सीमेंट, ख











## ऑर्थोडॉक्स पार्टी गठबंधन से अलग, नेतृत्वाहू को झटका

तेल अवीव, एजेंसी



गाजा में युद्ध के नियांक दौर में सरकार अस्थिर होने की आशंका

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतृत्वाहू की गठबंधन सरकार में प्रमुख सहयोगी दल रहे अति-रुद्धिवादी दल ने मंगलवार को कहा कि वह गठबंधन सरकार छोड़ रही है। अति-रुद्धिवादी दल की इस ध्वणा को गाजा में युद्ध के नियांक समय में इजराइली नेतृत्व के शासन को अस्थिर करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

युद्धिटेड दोरा जॉडिंग नामक पार्टी के दो युद्धों से कहा कि वे एक कानून पर अस्थिरत के कारण सरकार पर निशाना साध रहे हैं यह कानून अपने सदस्यों के लिए व्यापक सैन्य मौसूल छूट को संहिताबद्ध करेगा। इन दलों के सदस्यों में से कई लोग सेना में भर्ती होने के बायाय यहूदी ग्रन्थों का अध्ययन

ट्रंप को शिक्षा विभाग में 1,400 कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति वांशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शिक्षा विभाग को समाप्त करने की उनकी योजना को फिर से आगे बढ़ाने और लगभग 1,400 कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति दी दी है।

तीन न्यायमूर्तियों की असहमति बावजूद, उच्चतम न्यायालय ने बोस्टन, उच्चतम न्यायालय के बोस्टन के उच्चिकट्व न्यायालय में योग्य जांन के उस आदेश पर यह बहुमत दी दी है। इजराइलियों में यह दरार तब से और गहरी होती जा रही है, जब से गाजा में युद्ध शुरू हुआ है और सैनियों की मांग लगातार बढ़ रही है। इजराइल की राजनीति में लंबे समय से 'किंगमेकर' की भूमिका अपने वाली पार्टी के जाने से नेतृत्वाहू को तकाल कोई खतरा नहीं है।

## मुस्लिम देशों में शरीया कानून का हिस्सा है

### ब्लड मनी परंपरा



करल की नर्स निमिशा को यह मान में फांसी की सजा सुनार जाने के बाद इस इस्लामी देश की 'ब्लड मनी' नाम की वह पराया भी चाहे वे आई हैं जो ऐसे के बदले मौत की सजा माफ कर देती है। ब्लड मनी को अरबी में दिया कहा जाता है और यह पराया उन कई और मुस्लिम देशों में लागू है जहां इस्लामी शरीया कानून का प्रभाव है। इस पारंपरिक कानून के तहत 300 अरब कोई व्यक्ति किसी की हत्या का उन्हांना है तो वह मृतक के परिवार को मुआवजा देकर सजा मृत्यु या माफी हासिल कर सकता है।

#### इन देशों में भी ब्लड मनी जैसा कानून

सऊदी अरब : दिया यानी ब्लड मनी यहां न्यायिक कानून के अनुपार लागू है। हाया, दुर्घटना और मैडकल लापरवाही में भी ब्लड मनी दी जा सकती है। पीड़ित परिवार वाहे तो ब्लड मनी लेकर दोषी को माफ कर सकता है और इससे फांसी की सजा रुक सकती है।

ईरान : ईरान की इस्लामी दंड संहिता में ब्लड मनी को मान्यता है। अब तक यहां

महिला और पुरुष को ब्लड मनी में अंतर होता था लेकिन अब इसे बराबरी की अंतर लाया जा रहा है। विदेशी नागरियों को भी कुछ मालियों में इसका फायदा या नुकसान छेला पड़ता है।

पाकिस्तान : पाकिस्तान में सन् 1990 के दशक में दिया और किसास कानून लागू किए गए। ये कानूनी दंड संहिता से हटकर शरीया आधारित है। इसमें पीड़ित

## समर्थन

लड़ मनी परंपरा इस्लामी न्याय प्रणाली का हिस्सा है। इससे पीड़ित के परिवार को कुछ राहत मिलती है, साथ ही बदले की भावना को रोकने में मदद मिलती है।

## आलोचना

अरबी अपराधियों को बच निकलने का बौका मिलता है और न्यायिक समाना पर सवाल उठते हैं। इसके अलावा गरीब पैसे के अधिक में न्याय नहीं दिला पाते।

## ब्लड मनी के चर्चित केस

- उत्तर प्रदेश के ईस खान का सजाई अब में पाकिस्तानी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई थी। भारतीय समाजिक संटोषों और परिवार ने मृतक के परिवार की लागतमा 30 लाख रुपये ब्लड मनी देकर माफी दिलवा दी।
- एक अमीर व्यवसायी के बेटे शाहरुख जटोई ने कराची में युवा छात्र शाहजेब खान की हत्या कर दी थी। जनता में भारी गुस्सा फैला मगर शाहजेब के परिवार ने शाहरुख से ब्लड मनी लेकर उसे माफ कर दिया। लोगों ने इसे पैसे वालों का न्याय त्रै खेलवाड़ कहा।
- पंजाब के नवदीप पर 2019 में एक साथी आरोपी की हत्या का आरोप लगा। सऊदी कार्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई। लैंकिन एनजीओ और गुरुद्वारों की मदद से करीब 1 करोड़ रुपये की ब्लड मनी देकर माफी दिलवाने के बाद मृतक के परिवार ने उसे माफ कर दिया।



## परिचिती देश

परिचिती देशों में सेधे तौर पर ब्लड मनी जैसा शरीया आधारित सिस्टम नहीं है, लेकिन वह सिविल सूट और मुआवजा/क्षतिपूत्री की व्यवस्था होती है।

करवाओ का मुआवजा लेकर दोषी व्यक्ति को माफ करने का अधिकार है। अदालत इसमें कोई हत्यकांश नहीं है।

सयुक्त अरब अमीरात : यूरोप में भी शरीया कानून का दिया जाता है। अपाक्षिणी अस्तावाल और शायद जानकारी दी। यह बहुत अदालत ने आदेश पर रोक लगाने के बाद याचिकाने को अप्रूप लाभ देता है। अपाक्षिणी अस्तावाल की व्यक्तिगत व्यापक सेवा के लिए व्यापक अधिकार देता है।

## आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत न करने पर अडिग रहेगा भारत

बीजिंग/नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

वैश्वक टीकाकरण के संबंध में

संयुक्त राष्ट्र में मंगलवार

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

डॉ. जयशंकर ने मंगलवार को यहां बीजिंग में संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की चुनौती से सज्जी से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अडिग रहने का आहान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कर्तव्य बर्दाशत नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के लिए खिलाफ कठर करवाओ।

बीजिंग में एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद, अलगाववाद और उत्तराधीन की